वार्षिक प्रगति रिपोर्ट अप्रैल 2020 से मार्च 2021

राजसमन्द महिला मंच

राजसमन्द जन विकास संस्थान

नरेगा ,राशन ,पेंशन से सम्बंधित समस्याओ के समाधान के के लेकर ब्लॉक विकास अधिकारी को ज्ञापन देते हुए

बाल विवाह के दुष्परिणामों को खेल के माध्यम से चर्चा करते हुए

E - MAIL:- rjvs10@yahoo.in

Website :- WWW.rjvs. in

पता :- राजसमन्द जन विकास संस्थान ,महिला विकास केंद्र , नाथद्वारा रोड , सोमनाथ चौराहा ,कांकरोली- 313324, जिला राजसमन्द , (राजस्थान) भारत

Telephone :– landline +91 –(2952) 221909

राजसमन्द जन विकास संस्थान

राजसमन्द जन विकास संस्थान की स्थापना राजसमन्द जिले में वर्ष 2003 में की गई | संस्था समाज में महिलाओं के साथ हो रही असमानता और भेदभाव को दूर करने एवं मुख्य रूप से पिछड़े व् गरीब वर्ग की महिलाओं पर जाति ,वर्ग ,लिंग के आधार पर हो रहे अत्याचारों से निज़ात दिलवाने के लिए कड़ा संघर्ष कर रहीं है और समाज में उन्हें सम्मान के साथ बराबरी का दर्जा दिलवाने का प्रयास कर रहीं है | विकास में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए उन की समस्याओं के समाधान के लिए जनमत बनाकर जिला स्तर पर 1998 से महिला मंच संगठन का भी गठन किया गया था ,जिससे क्षेत्र में महिलाओं के पक्ष में आवाज बुलंद हुई है | सरकार द्वारा जमीन देकर एवं जापान एम्बेसी द्वारा फण्ड देकर वर्ष 2015 में महिला प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की गई | आज इसी केंद्र में संस्थान द्वारा कई परियोजनाएं सञ्चालित की जा रही है जिनके द्वारा जिले व् राज्य में महिला हक़ मुद्दों पर कार्य किया जा रहा है | ताकि वो जागरूक होकर सम्मान व् न्याय के लिए आवाज उठा सके |

उद्देश्य

- विकास की प्रक्रियां में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना |
- महिला हिंसा को दूर करने हेतु जनाधार तैयार करना |
- जिले व् राज्य में गरीब ,शोषित ,पीड़ित एवं वंचित महिलाओं और युवाओं को न्याय सम्मान एवं समानता का अधिकार दिलवाना |
- गाँव ,तहसील और जिला स्तर पर महिलाओं और युवाओं को संगठित कर शक्तिशाली बनाना |
- महिला हिंसा के वास्तविक कारण जैसे बाल - विवाह ,नाता प्रथा ,दहेज़ प्रथा ,डायन प्रथा ,अशिक्षा जैसी सामाजिक कुरूतियों को ख़त्म करने के लिए जानकारी प्रदान करना है |
- गरीब महिलाओं और युवाओं के आर्थिक विकास व् आय संवर्धन के लिए कार्यक्रम चला कर उन्हें सशक्त करना है |
- राजसमन्द महिला मंच के कार्यों में सहयोग प्रदान करना |

राजसमन्द जन विकास संस्थान द्वारा सञ्चालित परियोजना

जागृति परियोजना

- जागृति परियोजना के सहयोग से सन 2015 से बाल विवाह व् जबरन विवाहों की संख्या में कमी लाना ,किशोर – किशोरीयों को सशक्त करना और शिक्षा के प्रति जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है |

महिला सलाह एवं सुरक्षा केंद्र

- महिला सलाह एवं सुरक्षा केंद्र (MSSK) :- राजसमन्द जन विकास संस्थान राज्य महिला आधिकारिकता विभाग (राजस्थान सरकार) के सहयोग से जिला स्तर पर हिंसा से पीड़ित महिलाओं को राहत पहुँचाने का कार्य वर्ष 2015 से सञ्चालित कर रही है |

गर्ल्स नोट ब्राइड

- गर्ल्स नोट ब्राइड :- यह अंतराष्ट्रिय स्तर की संस्थान है वर्ष 2017 से हमारी संस्थान गर्ल्स नोट ब्राइड के साथ जुड़कर बाल – विवाहों की संख्या में कमी करने के लिए समुदाय व् किशोर – किशोरियों को जागरूक करने का कार्य कर रही है |

स्काई रोकेट प्रोजेक्ट

- खुलती बाते कार्यक्रम का मुख्य विषय था बाल विवाह और यौनिकता का आपस में क्या सम्बन्ध है | समुदाय के लोग इसके बारे में क्या सोचते है और किस तरह से समुदायों की जानकारी और उनकी प्रतिक्रियाओं को किशोरी बालिकाओं के साथ काम करने में उसको कैसे उपयोग में ले सकते है

जागृति परियोजना

AMERICAN JEWISH WORLD SERVICE (AJWS) के सहयोग से राजसमन्द जन विकास द्वारा वर्ष 2015 से राजसमन्द जिले के 114 गाँवो में जाग्रति परियोजना द्वारा कार्य किया जा रहा है जिसका उद्देश्य

- **जल्द ,जबरन व् बाल - विवाह और ऐसी कुरूतियो में कमी लाना |**
- **किशोर - किशोरियों को समूह के द्वारा सशक्त करना |**
- **युवा बाल विवाहित महिलाओं को जागरूक करना |**
- **इच्छा अनुसार उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना|**

पिछले वर्ष कोविड - 19 महामारी के चलते 33 गाँवो में कार्य नहीं हो पाया इसलिए इस वर्ष परियोजना राजसमन्द जिले के खमनोर ,रेलमंगरा , भीम ,केलवाडा और राजसमन्द ब्लॉक की 31 ग्राम पंचायतो के पुराने 33 गाँवो व् 21 नए गाँव में कुल 54 गाँवो में संचालित की जा रही है |

गाँव बैठके

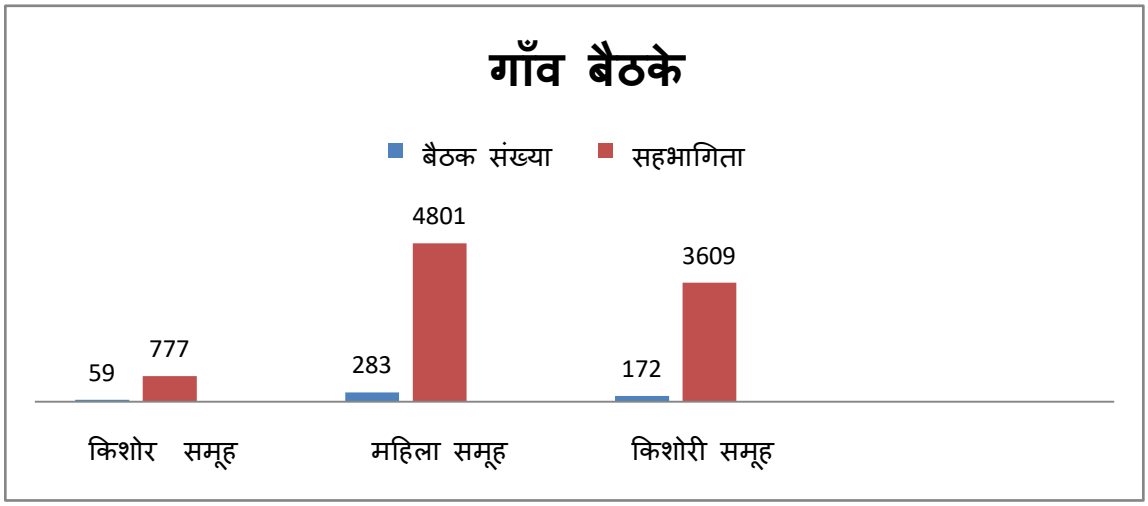

दो दिवसीय किशोर - किशोरी क्षमतावर्धन आवासीय प्रशिक्षण

दो दिवसीय 18 - 19 अक्टूम्बर 2020 तक आवासीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमे राजसमन्द जिले के **32 गाँवों की 30 किशोरियों** ने भाग लिया | कोविड 19 महामारी के चलते सरकार के दिशा निर्देशों की पालना करते हुए प्रशिक्षण का आयोजन किया गया |

प्रशिक्षण के उद्देश्य

- किशोर - किशोरियों में जेण्डर जैसे मुद्दों पर जानकारी देकर जागरूक करना और उनकी सोच में बदलाव लाना |
- किशोर - किशोरियों को सशक्त करना जिससे उनके निर्णय लेने की क्षमता का विकास हो सके |

सामाजिक दुरी मास्क व् सैनेटाईजर का उपयोग करते हुए प्रशिक्षण में भाग लेते हुए किशोर - किशोरी

इस कार्यशाला में विभन्न मुद्दों पर अलग – अलग विभाग से संदर्भ व्यक्ति संगीता चौधरी ,पुष्पा सिंघवी ,जमना **को बुलाकर किशोरियों की समझ को बढ़ाया गया** | संगठनात्मक ताकत पर बच्चो की समझ विकसित करना ,किशोर - किशोरियो से सम्बंधित कानूनों की जानकारी , जेंडर ओर,यौनिकता के विषय पर जानकारी देना और समाज कल्याण विभाग से सन्दर्भ व्यक्ति के रूप में श्री मान गिरीश जी द्वारा किशोर किशोरियों से सम्बंधित सरकारी योजना की जानकारी दी गई और सभी किशोर किशोरियों से कहा की आप अपने गाव में अधिक से अधिक लोगो को सरकारी योजना की जानकारी देकर उन्हें लाभान्वित करने का कार्य कर सके |

मेरी आवाज समानता की और.

राजसमन्द जन विकास संस्थान (महिला मंच) एवं अंतराष्ट्रीय संस्था गर्ल्स नॉट ब्राइडस के सहयोग से अंतराष्ट्रीय बालिका दिवस को अभियान के रूप में मनाया गया | इस बार यह अभियान 01 से 11 अक्टूम्बर तक आयोजित किया गया |

कार्यक्रम का उद्देश्य

- **किशोरी बालिकाओं को अपने सवेधानिक हक़ एवं अधिकारों की जानकारी होना |**
- **कोरोना काल में किशोरी बालिकाओं को जो समस्या हो रही थी उनको एकत्र करना |**

जिसके तहत राजसमन्द जिले के तीन ब्लॉक के 30 गाँवो की 200 किशोरियों के साथ पोस्टकार्ड अभियान के माध्यम से आयोजन किया गया | जिसमें 200 पोस्टकार्ड में आई विभिन्न समस्याएँ जैसे :- शिक्षा, बाल विवाह , ज्यादा काम, आजीविका, स्वास्थ्य, सेनेटरी नेपकिन , यातायात की असुविधाओ से सम्बंधित समस्याओ के समाधान लिए माननीय मुख्यमंत्री जी के नाम पोस्टकार्ड भेजे गाए और माननीय मुख्य मंत्री के नाम जिला कलेक्टर को किशोरियों द्वारा ज्ञापन दिया गया |

किशोरी बालिकाओं द्वारा अपनी समस्याओं को पोस्टकार्ड के माध्यम से मुख्य मंत्री को भेजते हुए

3 दिवसीय किशोरी बालिका ऑनलाईन क्षमतावर्धन प्रशिक्षण

3 दिवसीय ऑनलाईन क्षमतावर्धन प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 20 फरवरी से 22 फरवरी को,किया गया प्रशिक्षण में 30 किशोरी बालिकाओं ने इस कार्यशाला में भाग लिया गया |

करोना - काल होने के कारण बालिकाओं के जीवन में बहुत बदलाव हुए और उनको अपने जीवनयापन करने में स्वयं के निर्णय लेने में सहयोग प्राप्त हो इस को लेकर क्षमतावर्धन प्रशिक्षण को ऑनलाइन आयोजित किया गया जिसमें वैदेही और आशा जी द्वारा ट्रेनर के रूप में मुम्बई से तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया था | प्रशिक्षण सुबह 6 बजे से सांय 8 बजे तक दिया जिसमें बालिकाओं ने ख़ुशी – ख़ुशी सभी सत्र में जिम्मेदारी से भाग लिया |

ऑनलाइन प्रशिक्षण लेती हुई बालिकाए

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य :- दैनिक जीवन कौशल ,नकारात्मक और सकारात्मक, व्यक्तिगत विकास ,समय प्रबंध ,मेंडीटेशन और योगा ,क्रोध प्रबंधन ,डर प्रबंधन ,नेतृत्वकौशल इन मुख्य विषय पर बालिकाओं की समझ विकसित कर उनके जीवन जीने, सपने देखने व् उनको पूरा करने में या अपनी जिन्दगी के उद्देश्य को प्राप्त करने में इन बिन्दुओं का कितना महत्व है और वो अपने लक्ष्य को कैसे प्राप्त कर सकती है इस पर बालिकाओं से कार्य आयोजना बनवाई गई | और अपनी जिंदगी को उल्लास और उत्साह से जीने के लिए प्रेरित किया गया |

युवा महोत्सव कार्यक्रम

हर वर्ष की भांति इस वर्ष 28 अक्टूम्बर 2020 को परियोजना के अंतर्गत 5 वा युवा महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन " म्हारी बोली मारो अधिकार" पर आयोजित किया गया |

युवा महोत्सव कार्यक्रम में किशोर - किशोरी द्वारा उत्साहवर्धन करते हुए

कार्यक्रम के मुख्य उदेश्य :-

- **किशोर किशोरियों द्वारा किये गये कार्यो का प्रदर्शन करना |**
- **बदलाव की कहानी किशोर किशोरियों की जुबानी |**
- **इस वर्ष विशेष कार्य करने वाले किशोर किशोरियों का मंच पर सम्मानित करना |**
- **वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुतिकरण |**

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पूर्व जिला साक्षरता अधिकारी श्री मान बंशीलाल जी पालीवाल, सामाजिक कार्यकर्ता श्री मान लक्ष्मी लाल जी जैन, महिला अधिकारिता विभाग से महिला सुपरवाईजर सुश्री प्रीति बंशीवाल समाज सेवी संस्थान एजुकेट गर्ल्स से श्री मान मनोज पालीवाल और राजसमन्द जिले के ब्लॉक खमनोर, राजसमन्द, रेलमंगरा, के 32 गावो के युवा नेतत्वकर्ताओ और महिला मंच की सदस्यों द्वारा भाग लिया गया |

सैनेटरी नेपकिन वितरण

कोविड - 19 महामारी के तहत लॉकडाउन में ग्रामीण बालिकाओं व् महिलाओं को लॉकडाउन में आवागमन के साधन उपलब्ध नहीं होने व् आर्थिक स्थिती को देखते हुए महिलाओं व् किशोरियों **को सैनेटरी नेपकिन** उपलब्ध होना बहुत ही कठिन हो गया था | विश्व की आधी आबादी महिलाओं की है महिलाओं के स्वास्थ्य को देखते हुए महीने के ''उन दिनों''साफ़ सफाई रखने में महिलाओं की समस्याए आ रही थी | इसलिए समूह के माध्यम से महिलाओ और किशोरियों की पीड़ा को सुन और जरूरतों को ध्यान में रख कर राजसमन्द जन विकास संस्थान व् महिला मंच कार्यकर्ताओं द्वारा किशोरीयो व् महिलाओं की समस्या के समाधान के लिए राजसमन्द जिले के खमनोर ,राजसमन्द ,रेलमंगरा ,के कुल **50 गाँवो में 615** किशोरियों और महिलाओं को मास्क का उपयोग व् सामाजिक दुरी बना कर **सैनेटरी नेपकिन** वितरण किये गए एवं जरूरत के अनुसार आगे भी वितरण किये जायेंगे |

किशोरी बालिकाओं को सैनेटरी नैपकिन वितरण करते हुए

चुनौतिया

करोना महामारी के कारण यात्रायात की असुविधा,सक्रमण का डर होने से गाँवो में किशोर - किशोरी समूह के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा नहीं हो पाई

कोविड - 19 पर स्कुल बंद होने से ऑनलाइन शिक्षा को लेकर बच्चो के सामने चुनौतियां

फ़ोन रिचाज व् नेटवर्क समस्या होना

लडकियों के पास स्मार्ट फोन नहीं होना

किशोरी बालिकाओं को सैनेटरी नैपकिन उपलब्ध नहीं हो पाना

किशोरी बालिकाओं के उपर काम का बोझ बढ़ जाना |

दुरी होने से स्वास्थ्य की जाँच नहीं करवा पाना

किशोरी बालिकाओं द्वारा अपनी समस्याओं को साझा नहीं कर पाना

प्रभाव

लडकियों द्वारा पहली बार गूगल फोर्म भरने का कार्य किया गया

शोध करने का अनुभव होना

zoom मीटिंग join करना सिखाना

ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर क्षमता वर्धन होन

तकनीकी ज्ञान का बढ़ना |

राज्य स्तरीय मंच प्राप्त होना

राज्य स्तरीय मंच पर अपने अनुभव बताने पर स्वयं पर आत्म - विश्वास पैदा होना

करोना जागरूकता के लिए किशोर - किशोरियां द्वारा स्लोगन लिखे गए

स्वयं का सशक्तिकरण होना

गर्ल्स नोट ब्राइड

गर्ल्स नोट ब्राइड :- यह अंतराष्ट्रिय स्तर की संस्थान है वर्ष 2017 से हमारी संस्थान गर्ल्स नोट ब्राइड के सहयोग से बाल - विवाहों की संख्या में कमी करने के लिए कार्य कर रही है |

1. **कोविड - 19 में लड़कियों की जिन्दगी पर क्या प्रभाव पड़े है ' " एक शोध "**

गर्ल्स नोट ब्राइड से जुडी राजस्थान की 11 संस्थाओं ने मिलकर अप्रेल , मई , जून 2020 में कोविड - 19 और लॉकडाउन का लड़कियों की स्थिति पर क्या प्रभाव पड़ा है इसके आंकलन के लिए एक अध्ययन किया गया था इस अध्ययन के लिए जो पद्दति ली गई वो तीन भागों में थी | गूगल फोर्म के माध्यम से राजस्थान के 13 जिलो में यह रिसर्च करवाया गया जिसमें कुल : 388 किशोरी बालिकाओ एवं युवाओं महिलाओं को शामिल किया गया | जिसमें मुख्य तौर पर कोविड – 19 महामारी से 15 - 19 वर्ष की बालिकाओं के जीवन पर क्या प्रभाव पड़े है | एक लम्बा सर्वे प्रपत्र जिसके जरिये लड़कियों से सीधा संपर्क किया गया | दूसरा व्यक्तिगत साक्षात्कार केस स्ट्रडी के जरिये लड़कियों की स्थिति और प्रभाव को ज्यादा गहराई से समझने का प्रयास किया गया और तीसरे चरण में स्थानीय शोधकर्ता युवा नेतृत्वकर्ता के साथ छोटी - छोटी कार्यशालाओं में सर्वे के परिणामों पर चर्चा करते हुए उनके नजरिये से विश्लेषण किया गया | राजसमन्द जन विकास संस्थान द्वारा राजसमन्द जिले के 4 गाँवों में सर्वे का कार्य किया गया | जिसमें किशोरी लीडर सुगना सालवी ,पूजा मेघवाल ,हेमलता गमेती ,तथा ममता गमेती द्वारा 50 फोर्म भरे गए तथा उन्होंने सर्वे के दौरान जो गतिविधियां हुई उनका फीड - बैक दिया गया |

1. इस शोध कार्यक्रम से जुड़कर लडकियों ने स्मार्ट फोन से गूगल सर्वे करने का कार्य किया गया |
2. शोध कार्य करना सिखना
3. बड़े मंच पर अपने अनुभव साझा करना |

इस तरह से हमारी लडकियों का ऑनलाइन नेटवर्क बना और उनका सशक्तिकरण हुआ |

16 दिवसीय अभियान

राजसमन्द जन विकास संस्थान , राजसमन्द महिला मंच एवं अंतराष्ट्रीय संस्था गर्ल्स नॉट ब्राइडस के सहयोग से **16 दिवसीय अभियान दिनांक 25 नवम्बर से 10 दिसम्बर तक अलग - अलग दिवस जैसे अंतराष्ट्रीय महिला हिंसा निवारण दिवस , संविधान दिवस ,बाल विवाह निषेध दिवस , महिला अधिकारिकता दिवस , महिला एकता दिवस ,एड्स दिवस , महिला स्वास्थ्य दिवस , पर्यावरण दिवस , बेटी बचाओ दिवस ,मनवाधिकार दिवस मनाये गए जिसमें महिलाओ और लडकियों के साथ होने वाली हिंसा के विरोध में एक पखवाड़े के रूप में मनाया गया |** यह कार्यक्रम नये गाँवो में समुदायों के लोगो के साथ महिला हिंसा के मुद्दों पर जानकारी देकर उनकी समझ को विकसित कर उनकी मानसिकता में बदलाव लाने हेतु कार्य किया गया **| इस वर्ष कोविड – 19 के संक्रमण को ध्यान में रखते हुए , राजसमन्द जिले के 5 ब्लॉक में कार्य करते हुए इस वर्ष तीन गाँवो में अलग - अलग बैठक द्वारा 3074 लोगो को जागरूक किया गया है |**

16 दिवसीय अभियान के विभिन्न दिवसों की जानकारी देते हुए कार्यकर्ता

2. **अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस**

मेरी आवाज मेरा अधिकार

राजसमन्द जन विकास संस्थान (महिला मंच) एवं अंतराष्ट्रीय संस्था गर्ल्स नॉट ब्राइडस के सहयोग से अंतराष्ट्रीय बालिका दिवस को अभियान के रूप में मनाया गया | इस बार यह अभियान 01 से 11 अक्टूम्बर तक आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य राजसमन्द जिले के 30 गाँवो में कोविड – 19 के चलते किशोरी बालिकाओं जो समस्या का सामना करना पड़ रहा था उसको लेकर " **मेरी आवाज मेरा अधिकार**" पोस्ट कार्ड मुख्य मंत्री के नाम लिखे गए | जिसमें 200 पोस्टकार्ड में आई विभिन्न समस्याएँ जैसे :- शिक्षा, बाल विवाह, ज्यादा काम, आजीविका, स्वास्थ्य, सेनेटरी नेपकिन, यातायात की असुविधाओ से सम्बंधित समस्याओ के समाधान लिए माननीय मुख्यमंत्री जी के नाम पोस्टकार्ड भेजे गए और माननीय मुख्य मंत्री के नाम जिला कलेक्टर को किशोरियों द्वारा ज्ञापन दिया गया |

पोस्ट कार्ड में अपनी समस्या लिखते व् पोस्ट करती हुई किशोरी बालिकाएं

समस्याओं को लेकर किशोरियों ने कलक्टर को सौंपा ज्ञापन

न्यूरो नवज्योति, राजसमंद। जन विकास संस्थान की किशोरियों ने अपनी समस्याओं को लेकर बुधवार को जिला कलक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन जिले के तीन ब्लॉक के 30 गांवों की किशोरियों की समस्याओं से सम्बन्धित था। ज्ञापन सौंपने का उद्देश्य प्रशासन द्वारा समस्याओं के निराकरण के बाद उनके जीवन में बदलाव लाने और बालिकाओं के भविष्य को उज्जवल बनाना था। संस्थान निदेशिका शकुंतला पामेचा ने बताया कि जन विकास संस्थान (महिला मंच) एवं अन्तरराष्ट्रीय संस्था गर्ल्स नॉट ब्राइड्स के साथ बालिका दिवस को मनाया गया। जिसमें विभिन्न गांवों की करीब 200 से अधिक किशोरियों के साथ विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसके तहत किशोरियों द्वारा अपनी समस्याओं को लेकर सीएम अशोक गहलोत को पोस्ट कार्ड लिखे गए। वहीं अभियान के तहत जिले के खमनोर, राजसमंद, रेलमगरा ब्लॉक के 30 गांवों की किशोरियों के साथ होने वाली समस्याओं बाल विवाह, शिक्षा, सैनेटरी नेपकिन, आजीविका, स्वास्थ्य, यातायात असुविधाएं, घरेलू कार्यों का अत्यधिकता, अत्याचार, हिंसा, सामाजिक कटवों द्वारा अभद्र व्यवहार आदि के चलते किशोरियों के सपने पूरे नहीं हो पाते तथा भेदभाव, अशिक्षा, सामाजिक कुरीतियों व समान अवसरों की कमी के कारण किशोरियां अपनी प्रतिभाएं दिखाने में सफल नहीं हो पाती। इन्हीं सभी समस्याओं पर ध्यानाकर्षण के लिए किशोरियों की ओर से जिला कलक्टर को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में दी गई निम्न समस्याओं का समाधान हुआ

खुलती बाते

राजसमन्द जन विकास संस्थान और राजसमन्द महिला मंच के सयुक्ततत्वाधान में " स्काई रॉकेट प्रोजेक्ट " कार्यक्रम का आयोजन किया गया | कार्यक्रम व् शोध का मुख्य विषय था बाल विवाह और यौनिकता का आपस में क्या सम्बन्ध है | समुदाय के लोग इसके बारे में क्या सोचते है और किस तरह से समुदायों की जानकारी और उनकी प्रतिक्रियाओं को किशोरी बालिकाओं के साथ काम करने में उसको कैसे उपयोग में ले सकते है | राजसमन्द जिले के तीन ब्लॉक राजसमन्द ,खमनोर और रेलमंगरा के डिगेला ,बागोल ,घाटी ,राज्यवास गाँवो में यह कार्यक्रम एक शोध की तरह किया गया | जिसमें समुदाय के पुरुष ,महिला ,किशोर लड़कियां पंचायती राज से जन प्रतिनिधि, शिक्षकों ,जाति नेता ,पुजारी, सरकारी कर्मी ANM, आशा , साथिन और धार्मिक नेताओं के साथ बैठकों का आयोजन किया गया |और इस मुद्दे पर शोध किया गया

समुदाय के साथ बैठक करते हुए

शोध से मुख्य नतीजा निकल कर आये जो निम्मलिखित है |

- लडकियों की शिक्षा को लेकर समुदाय की क्या सोच :- लड़कियों की शिक्षा को ज्यादा महत्व नहीं दिया जाता है ,शिक्षा एक बार छोड़ने के बाद लड़की की शादी करवा दी जाती है और ज्यादातर लोगो का कहना था की कम शिक्षा लड़कियों की शादी के लिए सुविधा जनक है 50% माता - पिता का मनना है की लड़की को घर का कार्य और उसकी सुरक्षा को देखते हुए पढाई छुड़वा के

लिए मजबूर किया जाता है और मासिक धर्म होने के बाद लड़कियों को स्कूल भेजना सुरक्षित नहीं माना जाता है |

- किशोरी / महिला यौनिकता पर समुदाय क्या सोचता है :- ज्यादातर लोगो का मानना है की ज्यादा उम्र की अविवाहित लडकिया परिवार की इज्जत के लिए खतरा है और लड़कियों की यौनिकता परिवार की इज्जत से जुडी है तथा 44% महिलाओं का कहना है की जल्द विवाह विवाह से पूर्व मामलो को रोकता है और 61% पुरुषों का कहना है की विश्वास की कमी कारण परिवार की इज्जत के लिए चिंतित है |

- लड़की की शादी पर सामुदायिक मानसिकता :- किशोरी बालिकाओं के पास माता - पिता के चयन का विकल्प है और 42% महिलाओं का कहना है कि शादी जल्द हो सकती है अगर लड़का अच्छा मिल जाये तो और जल्द विवाह भी समुदाय और पड़ोसियों के दबाव के कारण कर दी जाती है और 30% महिलाओं का कहना है की अगर बुजुर्ग चाहे तो जल्दी शादी कर दी जाती है और 70% पुरुषो का कहना है की लड़की के माहवारी होने से पहले अगर लड़की की शादी करते है तो कन्यादान के लिए पवित्र मानते है |

- लड़कियों की यौनिकता को परिवार की इज्जत के रूप में देखा जाता है और लड़कियों की यौनिकता ही लड़कियों के परिवार को प्यारी है वो नहीं और उनकी यौनिकता को सुरक्षित रखने के लिए रोक - टोक की जाती है

- समुदाय द्वारा महिला किशोरी यौनिकता पर रोक लगाने के कारण लडकियों का सशक्तिकरण किसी भी क्षेत्र में न हो पाना शिक्षा ,स्वास्थ्य ,हिंसा ,करियर इत्यादी |

खेल के माध्यम से पुरुषो के साथ यौनिकता के मुद्दे पर चर्चा करते हुए निदेशिका शकुन्तला पामेचा

संस्थान कि परियोजना द्वारा किये गए कार्यो के आंकड़े

वर्ष 2015 से मार्च 2021तक

क्र.सं.	कार्यक्रम	2019 से 2020	2020 से 2021	कुल
1	**जाग्रति परियोजना**	बैठक / सहभागी	बैठक / सहभागी	कुल बैठके / सहभागी
1	गाँव बैठक / सहभागी	2126 / 31361	817 / 29104	2640 / 69652
2	आमुखीकरण बैठक / सहभागी	3 / 589	-	3 / 589
3	प्रशिक्षण			
A	युवा बाल वधुओं का स्वास्थ्य प्रशिक्षण / सहभागी	9 / 260	-	9 / 260
B	जाति पञ्च प्रशिक्षण / सहभागी	4 / 210	-	4 / 210
C	नेतृत्व कर्ता प्रशिक्षण / सहभागी	6 / 282	114	6 / 396
5	स्वास्थ्य शिविर / सहभागी	4 / 625	-	4 / 625
6	किशोर -किशोरी क्षमतावर्धन प्रशिक्षण	9 / 750	2 / 70	11 / 820
7	युवा महोत्सव	4 / 1000	1 / 150	5 / 1150
7	**बाल विवाह**	**-**		
A	शपथ पत्र	-	3042 / 6048	3042 / 6048
B	स्वयं की शादी स्थगित	-	7	7
C	माता -पिता को समझाकर सही उम्र में शादी के लिए मनाया	-	1200	1200

D	शैक्षणिक अनुदान से बाल - विवाह रोकना	15	-	15
E	शिक्षा से जोड़ा (रेग्युलर ,ऑपन स्कूल)	1436	309	1745
8	करियर कॉसलिंग	6300	-	6300
9	पानी की सुविधा (हेण्डपम्प सही करवाया)	1500	-	
10	विभिन्न सरकारी योजना	7959	1239	9198
11	सैनेटरी नैपकिन वितरण		50 गाँव / 650 किशोरी	50 गाँव / 650 किशोरी
2	**गर्ल्स नोट ब्राइड (GNB)**			
A	16 दिवसीय अभियान	3 / 11603	1 / 3074	4 / 14677
B	अंतराष्ट्रीय बालिका दिवस	1 / 150	200 / 200	350
3	**स्काई रॉकेट प्रोजेक्ट**	**-**	**-**	**-**
A	गाँव बैठक	-	4 / 26	4 / 26
B	आंगनवाडी कार्यकर्ता ,आशा ,anm	-	2 / 20	2 / 20
C	जाति पञ्च	-	2 / 20	2 / 20
D	पण्डित,मोलवी ,धर्म गुरु	-	2 / 16	2 / 16
E	शिक्षक /सरपंच	-	8 / 80	8 / 80

F	माता (माता)	-	8 / 160	8 / 160
G	पिता (पुरुष)	-	8 / 160	8 / 160
H	किशोरी बालिका	-	8 / 160	8 / 160
	कुल			**42 / 642**
4	**हुँकार परियोजना (ACTION AID)**			
A	मिडिया के साथ कार्यशाला	1/40	-	1/40
B	पुलिस विभाग को डायन प्रताड़ना निवारण अधिनियम पर प्रशिक्षण	12/259	-	12/259
C	राज्यस्तरीय कार्यशाला	1/80	-	1/80
D	किशोरी लिंग - भेद प्रशिक्षण	2/55	-	2/55
E	जनसुनवाई	1/70	-	1/70
F	महिला क्षमता वर्धन प्रशिक्षण	1/40	-	1/40
G	महिला सम्मलेन (डायन कानून)	1/70	-	1/70
H	मेड बंधी के फोर्म भरवाए	50	-	50

महिला सलाह एवं सुरक्षा केंद्र

राजस्थान सरकार के महिला अधिकारिकता विभाग के साथ यह परियोजाना राजसमन्द जन विकास संस्थान के द्वारा महिला थाने में वर्ष 2015 से चलाई जा रही है | जिसके अन्तर्गत संस्था द्वारा दो परामर्शदाता वहां पर महिला हिंसा रोकथाम के लिए कार्य कर रहे है | दोनों कि योग्यता M.S.W एवं L.L.B परियोजना अनुसार दी गई है | इस परियोजना के अंतर्गत महिलाओ के साथ होने वाली हिंसा ,प्रताड़ना ,उत्पीडन से ग्रस्त महिलाओं एवं बालिकाओं को सम्बल प्रदान करना जिससे कि वे अपने अधिकारों व् हिंसा के खिलाफ अपनी आवाज उठा सके ,साथ ही साथ महिलाओं के साथ होने वाली प्रताड़ना को समाप्त करना और महिलाओं को अपनी स्वयं की शक्ति का अहसास करना है |

उद्देश्य

- महिलाओ के साथ हो रही (आर्थिक , शारीरिक , मानसिक , यौनिक) हिंसा के निवारण में उचित सहयोग व् मार्गदर्शन व् कार्यवाही करना |
- महिलाओं को अपने अधिकारों की जानकरी देना व् अधिकार दिलाना |

गतिविधि

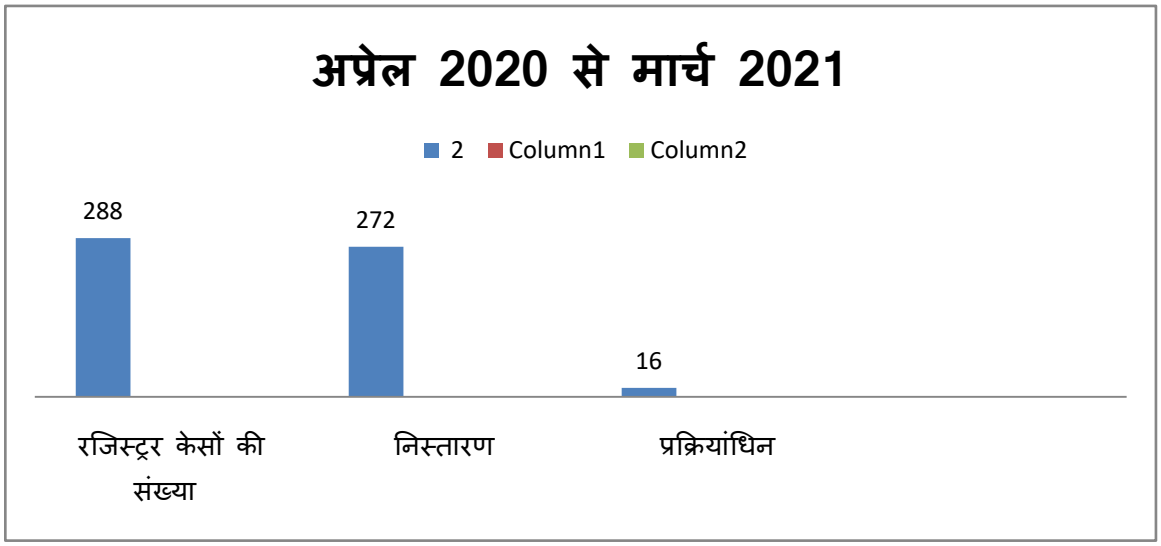

केंद्र पर दोनों पक्षों को परामर्श देते हुए कार्यकर्ता .

महिलाओं को महिला सलाह एवं सुरक्षा केंद्र की जानकारी देते हुए परामर्श दाता यशोदा सोनी

केंद्र की और से महिलाओं को महिला सलाह एवं सुरक्षा केंद्र की जानकारी देने के लिए ब्लॉक स्तर जिला स्तर पर आयोजित साथिन व् आंगनवाडी कार्यकर्ताओं के साथ बैठकों के आयोजन में भाग लेकर महिला हक़ एवं अधिकारों पर जानकारी दी जाती है और अगर कोई महिला हिंसा से पीड़ित है केंद्र की जानकारी व् साथ - साथ फ़ोन पर संपर्क कर भी मदद मांग सकते है |

नवम्बर 2015 से अप्रेल 2021 तक

क्र.सं.	कार्यक्रम	2015 -2018	2019 - 2020	कुल
1	**महिला सलाह एवं सुरक्षा केंद्र**			
a	रजिस्ट्रेशन केस संख्या	1109	288	1397
b	निस्तारण केस संख्या	1087	272	1359

महिला मंच संगठन

परिचय :- वर्ष 1993 में राजसमन्द जिला बनने के पश्चात् जिले में महिला विकास कार्यक्रम की शुरुआत हुई | जिसके द्वारा महिलाओं को जागरूक करने का काम शुरू हुआ | महिला विकास कार्यक्रम के साथ सरकार ने प्रत्येक जिले में एक संस्थान को भी महिलाओं को जागरूक व् प्रशिक्षण करने के लिए जोड़ा जिसके द्वारा संस्थान ने जिले में महिलाओं की स्थिति का आंकलन करने के लिए जिले के गाँव – गाँव में संपर्क के दौरान पाया की ज्यात्तर महिलाऐं अशिक्षित है और अन्धविश्वास ,रुढ़िवादी परम्पराओं से जकड़ी हुई है | महिलाओं की स्थिति में बदलाव लाने के लिए संस्थान द्वारा 1998 में महिलाओं को संगठित कर उन्हें सशक्त करने की जिम्मेदारी उठाई | इस तरह से वर्ष 1998 में संगठित महिलाओं के नाम सुझाने पर संगठन का नाम राजसमन्द महिला मंच रखा गया इससे पहले जिले में ऐसा कोई संगठन नहीं था जो की महिलाओ के मुद्दों पर काम कर रहा हो |

महिला मंच की शुरुआत जिले के एक ब्लॉक से की गई धीरे – धीरे इसमे महिलाये जुड़ने लगी और अपने हक़ व् अधिकार पर चर्चाए करने लगी | ये वो समय था जब महिलाये अपनी पीड़ा , समस्या , समाधान के लिए घर से बाहर नहीं निकलती थी तब गाँव से तहसील और तहसील से जिले तक आने के लिए कोई उपयुक्त साधन नहीं थे तब महिला मंच अधेरे में एक दिए के सामान था | जिससे क्षेत्र में महिलाओं के पक्ष में आवाज बुलद हुई है

विकास में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए उनकी समस्याओं के विरुद्ध एक संगठन बनाकर जिले स्तर पर वर्ष 1998 में महिला मंच संगठन का गठन किया गया | जिले के 7 ब्लॉक के गावों मे बाल विवाह,महिला हिंसा ,खाद्य सुरक्षा ,पानी अकाल जैसे मुद्दों पर,महिला एवं किशोरी के साथ जागरूकता और सशक्तिकरण पर काम कर रही है । महिला मंच के महिला सदस्यों की संख्या 8239 है | महिला मंच के कार्यो मे आर्थिक रूप से सहयोग प्रदान करने के लिए राजसमन्द जन विकास संस्थान की स्थापना वर्ष 2003 में कि गई | और महिला मंच की गतिविधियों से प्रभावित होकर सरकार द्वारा संगठन को जमीन देकर तथा जापान एम्बेसी द्वारा अनुदान देकर वर्ष 2015 में महिला प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की गई | संस्थान द्वारा जिले , राज्य व् राष्ट्र में महिला हक़ के लिए कार्य किया जा रहा है ताकि वो जागरूक होकर समानता , सम्मान ,व् न्याय के लिए आवाज उठा सके |

उद्देश्य

- महिलाओं के लिए भागीदारी न्याय सम्मान व् समानतायुक्त समाज का निर्माण करना |
- समाज में समानता के लिए उपयुक्त वातावरण का निर्माण करना |
- महिलाओं की सामाजिक व् आर्थिक स्थिति में परिवर्तन लाना |

- **महिलाओं को जागरूक करना जिससे वे अपनी संगठनात्मक ताकत को समझे |**
- **महिला समस्या समाधान के लिए जिला स्तरीय मंच प्रदान करना |**
- **महिलाओं के हक़ और अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर नीतिगत बदलाव की प्रक्रियां के लिए अभियान चलाना |**
- **राष्ट्रिय व् राज्य महिला आयोग सरकार व् गैर सरकारी विभागों से तालमेल बिठाकर गरीब महिलाओं के आर्थिक व् सामाजिक विकास पर कार्य करना |**

महिला मंच द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रम

- **स्वास्थ्य शिविर**
- **नारी अदालत**
- **ज्ञापन**
- **महेंदी कार्यक्रम**
- **अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम**

स्वास्थ्य शिविर

राजसमन्द जन विकास संस्थान व राजसमन्द महिला मंच द्वारा राजसमन्द जिले के 5 ब्लॉक जैसे :- रेलमगरा ,राजसमन्द ,केलवाड़ा , भीम , खमनोर से 9 स्वास्थ्य शिविर डॉ. विजय खिलनानी के सहयोग से लगाये गए | जिसमे 301 लोगो का स्वास्थ्य परिक्षण किया जिसमें 231 महिलाओं का स्वास्थ्य परिक्षण कर निःशुल्क दवाई दी गई जिसके कारण महिलाओ के अनेकों बिमारियों का पता चला जिसमें मुख्य रूप से एनीमिया , लीवर की समस्या, आँखों से कम दिखना , सीने में दर्द , महावारी की समस्या, गैस्टिक , हाथो में खुजली , गठिया की समस्या, पीलिया, दाद , मलेरिया आदि समस्या थी और गरीब महिलाओं का स्वास्थ्य परिक्षण किया साथ ही अस्वस्थ लोगो का आगे भी फोलोअप उपचार किया जायेगा |

- . स्वास्थ्य पर जानकारी देते हुए डॉ.विजय कुमार खिलनानी

नारी अदालत

नारी अदालत जो की 11 भिन्न भिन्न जाति की महिलाओ द्वारा संचालित की जा रही है यह एक ऐसा कार्यक्रम है जो महिलाओ के द्वारा ,महिलाओं के लिए संचालित किया जा रहा है | और ख़ास बात यह है कि ज्यादातर फैसले हमारे देश ,समाज व परिवार में पुरुष ही करते है |किन्तु यहाँ फैसले महिलाए करती है संस्था में हर महीने की 2 तारीख और 20 तारीख को नारी अदालत की बेठकों का आयोज़न किया जाता है इन बेठकों के माध्यम से हिंसा से जुड़े मुद्दों पर पैरवी की जाती है और परामर्श करके मुद्दों को सुलझाया जाता है |

हिंसा के प्रकरणों में परामर्श देते हुए नारी अदालत कार्यकर्ता

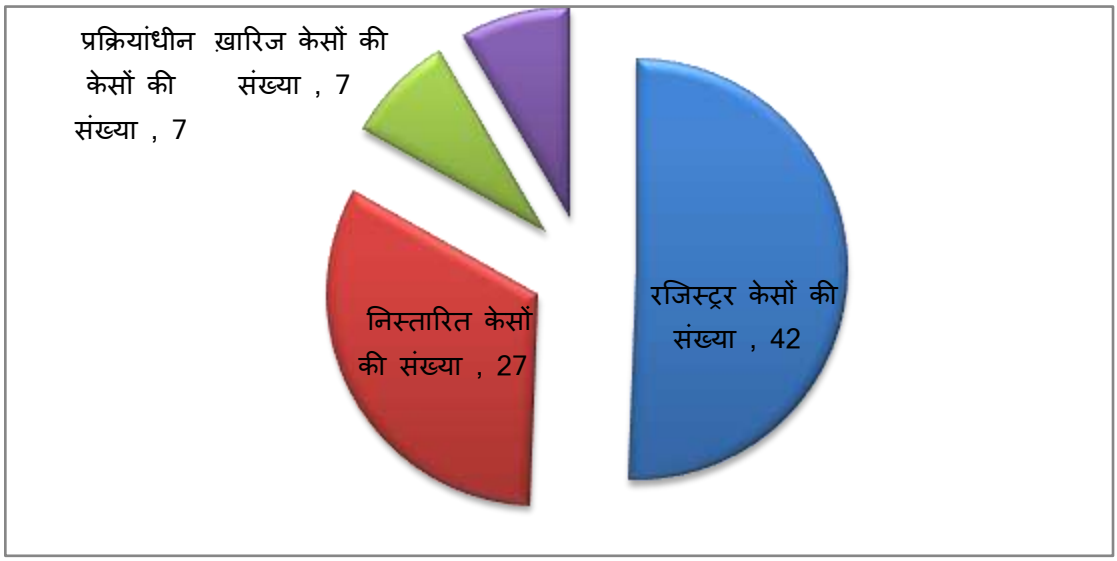

वर्ष 2010 से मार्च 2021 तक के आंकड़े

5	**नारी अदालत बैठक**	336	24	360
A	हिंसा केस रजिस्ट्रेशन	1973	42	2015
B	सफलतापूर्वक निस्तारण	1085	27	1112

ज्ञापन

1. हम अगर उठे नहीं तो जुल्म बढ़ता जायेगा

दिनांक 30 अक्टूम्बर को 2020 राजसमन्द महिला मंच द्वारा हिंसा पर एक ज्ञापन जिला कलेक्टर को सौपा गया | हम देख रहे है की महिलाएं प्रत्येक दिन किसी न किसी रूप से हिंसा का सामना करती है देश व् प्रदेश में रोज हम ऐसी खबर पढ़ते आ रहे है की प्रदेश में एक दिन में 14 महिला के साथ दुष्कर्म होता है हिंसा के मामले में राजस्थान में जयपुर प्रथम व् उदयपुर दुसरे स्थान पर है | देश व् राज्य में हिंसा के बढ़ते आँकड़े को देखते हुए और **हाथरस प्रकरण** के बाद भी हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है 'हम अगर उठ्ठे नहीं तो'जुल्म बढ़ता जायेगा इस राष्ट्रीय अभियान के तहत 30 अक्टूम्बर को देश ,प्रदेश व् जिले की महिला हिंसा की स्थिति को देखते हुए | जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया

महिला हिंसा के प्रकरण में जिला कलेक्टर को ज्ञापन देते हुए महिला

जिसके अनुसार महिला मंच द्वारा "हाथरस कांड "के दोषियों को कडा दण्ड दिलवाने व् तुरंत न्यायिक कार्यवाही करने की मांग की गई है तभी हम इस तरह के वातावरण से मुक्त हो सकते है | संगठन की महिलाओं ने **"हाथरस काण्ड "** प्रकरण के दोषियों को तुरंत व् कठोर सजा देने की मांग के साथ प्रधानमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौपा गया |

2. सूचना एवं रोजगार अधिकार अभियान एवं रोजी रोटी अभियान

राष्ट्रिय शोक दिवस के आन्दोलन के तहत सूचना एवं रोजगार अधिकार अभियान एवं रोजी रोटी अभियान के दौरान राजसमन्द महिला मंच के द्वारा राशन व्यवस्था ,प्रवासी व्यक्तियों को खाद्यान्न

सहायता तथा स्वत जोड़ी जाने वाली श्रेणियों के व्यक्तियों को खाध्य सुरक्षा का लाभ प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में माननीय श्री नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री भारत सरकार एवं माननीय श्री अशोक गहलोत मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार के नाम महिला मंच संगठन सदस्यों द्वारा जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौपा गया |

महिला मंच संगठन की संयोजिका व् सदस्यों द्वारा जिला कलेक्टर को ज्ञापन देते हुए

COVID - 19 महामारी के चलते देश में लॉकडाउन के कारण विशेष तौर से मजदुरो व् किसानो पर इसका प्रभाव सबसे अधिक पड़ा था | 670 से अधिक मजदुर पैदल चलते हुए भूख और प्यास और दुर्घटनाओं में मारे गये तथा पलायन करने वाले मजदूरो को घर व् रोजी रोटी दोनों की समस्या का सामना करना पड रहा था | कितने ही महिला और पुरुष थे जिनकी नौकरिया छिन्न गई और उनके सामने रोजगार की समस्या हो रही थी | इसलिए हर नागरिक को 15 किलो अनाज प्रतिमाह दाल और तेल के साथ देना | श्रम कानून का पूरा पालन हो कोई भी श्रम कानून निरस्त नहीं किया जाये | वर्तमान स्थिति में लोगो की मूल - भुत आवश्यकता पूरी हो और वो अपना जीवन यापन अच्छे से कर सके |

3. सूचना एवं रोजगार अधिकार अभियान

सूचना एवं रोजगार अधिकार अभियान के दौरान राजसमन्द महिला मंच के द्वारा मनरेगा में काम की गारंटी 200 दिन किये जाने ,मजदूरी बढाकर 600 रुपये प्रतिदिन किये जाने ,मजदूरो को 20 रुपये रोज औजार भत्ता दीए जाने ,देश में शहरी रोजगार गारंटी कानून बनाये जाने व् केवल ग्राम /वार्ड सभाओं द्वारा चयनित योजनाओ पर काम करवाने के सम्बन्ध में माननीय श्री नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री भारत सरकार एवं माननीय श्री अशोक गहलोत मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार के नाम महिला मंच संगठन सदस्यों द्वारा जिला कलेक्टर व ब्लॉक अधिकारी को ज्ञापन सौपा गया |

महिला मंच के सदस्यों द्वारा खमनोर ब्लॉक के ब्लॉक अधिकारी को ज्ञापन देते हुए

महिला मंच द्वारा आजीविका

महिलाओं की मन पसंद महेंदी डिज़ाइन बनाती हुई किशोरी बालिकाए

राजसमन्द महिला मंच पिछले कई वर्षो से महिलाओं एवं किशोरियों के मुद्दों पर कार्य कर रहा है किशोरियों की महेंदी मांडने की कला को सरहाने एवं कोविड – 19 महामारी के कारण आजीविका पर पड़े बहुत बुरे प्रभाव की स्थती को सोचते हुए संस्था व् संगठन ने किशोरी लडकियों को उनकी छुपी हुई प्रतिभा को दिखाने का अवसर प्रदान किया | जिसके अंतर्गत राजसमन्द कि किशोरी समूह की गरीब किशोरियों से करवा चौथ के अवसर पर मेहन्दी कार्यक्रम को आयोजित किया गया | कार्यक्रम में सरकार के कोविड – 19 महामारी के दिशानिर्देशो की पूर्ण रूप से पालन अनुसार किया गया | राजसमन्द चौराहा स्थित महिला प्रशिक्षण केंद्र पर रखा गया जिसमें आस – पास के अलावा 100 फिट रोड महेश नगर और हाऊसिंग बोर्ड की महिलाओं ने अपने - अपने हाथो पर मेहँदी लगाकर ग्रामीण किशोरियों का उत्साह वर्धन किया | महिलाओं की मन पसंद महेंदी डिज़ाइन बनाई गई | संस्था व संगठन इस महामारी में द्वारा किशोरियों को आर्थिक रूप से सहयोग प्राप्त हो सके और उनकी प्रतिभा को निखारने का अवसर मिले इसका प्रयास किया गया जिससे उन किशोरियों का उत्साह वर्धन हुआ अपनी पसंद की महेंदी लगवाई और महिलाओं द्वारा किशोरियों की कला की सराहना की गई |

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च 2021

राजसमन्द महिला मंच द्वारा क्षेत्र की महिलाओं के साथ " सेहत के वाटिका " व ईको फ्रेण्डली सेनेटरी नैपकिन " से सम्बंधित और " महिला किसान हक " मांग को लेकर चर्चा |

राजसमन्द महिला मंच एवं राजसमन्द जन विकास संस्थान में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन क्षेत्र की **200 महिलाओं** द्वारा किया गया | **कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य - महिलाओं को सशक्त करने के लिए संगठन से जोड़ना , महिलाओ को स्वस्थ्य रहने के लिए जागरूक करना और " महिला किसान हक " मांग को लेकर चर्चा करना आदि बिन्दु शामिल है |**

महिलाओं को सशक्त करने के लिए संगठन से जोड़ने पर जानकारी देते हुए डॉ.जिनि श्रीवास्तव

कार्यक्रम के इस अवसर पर **मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. जिनि श्रीवास्तव (नारी उत्थान से राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित)** ने महिलाओं को बताया की महिलाओं ,गाँव ,समाज की जो भी समस्या है उसमें सुधार लाने जुडी के लिए एक संगठन होना बहुत आवश्यक है | महिला संगठन एक ऐसा संगठन है जिसके जरिए गरीबी , दुःख, बेरोजगारी ,भ्रष्टाचार को कम किया जा सकता है | महिला के साथ जो भी हिंसा हो रही है उसके लिए कानून बनाये गए और वो महिला बिना किसी डर के महिला संगठन के साथ जाकर थाना में FIR दर्ज करवा सकती हे | **आज राजसमन्द महिला मंच महिलाओं के लिए सराहनीय काम कर रही है उनके कार्य को देखके कई महिलाए जुड़ रही है और वो आज 8157 लोग है तो आगे चलकर 10,000, 15,000 ,25,000 लोग महिलाए जुड़ जायेगी तो ये एक समूहिक शक्ति संगठन होगा |**

उसके जरिये हम महिलाओं की मांग व अधिकारों के लेके कोई भी अधिकारी हो उसके समक्ष ज्ञापन दे सकते है महिला संगठन की शक्ति को देख उनको मांग पूरी करनी होगी |

कार्यक्रम में **<u>कृषि विज्ञान केंद्र के पी.सी. रेगर जी ने</u>** कृषि व पशुपालन और सरकारी योजना और महिलाओं के सेहत को लेकर चर्चा कि | उन्होंने बताया कि कृषि विज्ञानं केंद्र में अनपढ़ महिलाये भी आती जिन्हें सरकार द्वारा निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है और वो महिला प्रशिक्षण लेकर अपने परिवार का घर गुजारा चला सकती है | महिला हर काम कर सकती है बस उसे अपने को सशक्त और आत्मविश्वास बनाना होगा |

कार्यक्रम में **<u>पद्मश्री से सम्मानित पर्यावरण प्रेमी पिपलांत्री के पूर्व सरपंच श्याम सुंदर पालीवाल</u>** ने बताया कि महिलाओं को घर तक ही सीमित नहीं रहना है इसके लिए अपने आपको सशक्त करना होगा तो वो बेटियों को आगे बढ़ा पायेगी | उन्होंने महिलाओं को कहा कि महिला पुरुषों से कम नहीं हर कार्य में महिला पुरुषों के साथ कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही है आप महिला भी अपने अंदर के हुनर को पहचान कर और प्रशिक्षण लेकर आगे बढ़ सकती है और साथ ही महिला को बोला **बेटी के जन्म पर 101 पौधे** लगाकर ख़ुशी जाहिर करे इससे पर्यावरण भी अच्छा होगा | महिलाओं में आत्मविश्वास जगाकर रोजगार से जोड़ने पर भी जोर दिया और अपने गाँव पिपलान्त्री में हुए बदलाव उनके बारे में महिलाओं को अवगत कराया |

कार्यक्रम में **<u>राजसमन्द मंच की संयोजिका शकुन्तला पामेचा ने</u>** बताया कि यह कार्यक्रम महिलाओं की सेहत ,स्वास्थ्य और उनके जीवन की खुशियों को ध्यान में रखकर महिला दिवस मना रहा है , क्योंकि पिछले वर्ष कोविड - 19 जैसे महामारी के कारण महिलाओं का जीवन अच्छे से नहीं गुजरा है | महिलाओं को बेरोजगारी , भुखमरी,महिला हिंसा जैसी कई आपदाओं का सामना करना पड़ा था | अब उन सब परेशानियों को भूलकर आगे बढ़ना है और अपनी बुलंद आवाज और जोश के साथ अपने हक एवं अधिकारों पर बात करनी होंगी |

महिलाओ के पौष्टिक आहार की समस्या के समाधान पर जानकारी देते हुए संयोजिका श्रीमती शकुन्तला पामेचा

कार्यक्रम में महिलाओ के स्वास्थ्य व पौष्टिक आहार पर संस्था द्वारा जिले के 5 ब्लॉक के 30 गाँवों में महिलाओं के खान - पान पर सर्वे कराया गया है जिसके द्वारा जो आँकड़े आये है वो बहुत आश्चर्यजनक है और पता चल रहा है कि गरीबी और बेरोजगारी के कारण वो हरी - सब्जियाँ सप्ताह में एक बार से ज्यादा नहीं खा पाती है | इसलिय पौष्टिक आहार की समस्या के समाधान के लिए राजसमन्द महिला मंच द्वारा हरी - सब्जी व फल के बीज वितरण किये जायेंगे ताकि वो महिला अपने घर व खेत पर सब्जी के पौधे लगाकर उनका उपयोग कर सके ताकि महिलाओं की मुख्य समस्या जैसे :- खून में कमी की समस्या का समाधान हों सकें | और महिलाए एक स्वस्थ्य - खुशहाल जीवनयापन कर सके |

कार्यक्रम में **<u>उदयपुर से आई एकल नारी शक्ति संगठन से पारुल चौधरी द्वारा</u> " सेहत की वाटिका "** विषय पर बात की गई | पारुल जी ने खेती से सम्बन्धित जानकारी दी कहा कि खेती क्या है ? भारत **सरकार ने खेती पर नीति बनाई है, कानून नहीं** | सरकार ने जो खेती पर नीति बनाई है उसमें खेती करने वाला केवल वो नहीं जो जमीन का मालिक है | भारत सरकार की नीति में ये स्पष्ट रूप से लिखा है कि जमीन का मालिक ही किसान नहीं है, खेती में मजदूरी करने वाला और गेंहू की फसल ,गन्ने की फसल काटने वाला,दो चार पशु रखते है और आपके पास जमीन नहीं है किसी और के जमीन में मजदूरी करते हो, नमक बनाने वाला , मछली पकड़ने वाला, जंगल में जाकर कुछ लाता हो बांस हो या लकड़ी

हो या फल लाता हो वो भी किसान के अंतर्गत आता है | **राजस्थान में पुरे जिले गाँव में आज भी 70% से 80% महिलाए खेतो में मजदूरी कर रही है पर उनके नाम जमीन नहीं है |**

महिला किसानी हक़ एवं अधिकारों पर जानकरी देते हुए पारुल जी

महिलाऐं बीजों का संरक्षण और फसलों को कीड़े से बचाने के लिये कई जैविक उपयोग कर सकती है क्योंकि रासयनिक और कीटनाशक दवाई केमिकल मिले होते है जिससे सेहत पर प्रभाव पड़ता है | हम घर में ऐसा क्या उगाये जिसे सेहत भी बनी रहे और पोष्टिक भोजन से पोषण भी मिले | जैविक की फसले और देशी खाद्य सब्जी की फसले उगाते है तो उसके दाम भी अच्छे से मिलते है | हम बेचने के उद्देश्य से न सोचकर पहले ये सोचे की किससे हमें ज्यादा पोषण मिला रहा है | आज कल **बीज बैंक की योजना** है जिसमें पैसों का लेंन - देन न होकर बीजो का लेन - देंन होता है |

<u>मेवाड़ कलेक्टिव नाम संस्थान की कॉ फाउंडर लाड लौहार</u> ने अपने जीवन से अवगत कराते हुए बताया कि **उन्हें ईको फ्रेंडली नेपकिन** बनाने की तब सोची थी जब वो छोटी थी पीरियड माहवारी के कारण ज्यादा नहीं पढ़ पाई और कई लड़कियां भी इसी पीरियड महावरी की वजह से अपनी आगे की पढाई नहीं कर पाती है | तब लाड लौहार ने सोचा कि मेरी पढ़ाई तो पूरी नहीं हो पाई पर मै सभी बच्चियों को आगे पढ़ाई करते हुए देखना चाहती हूँ | लाड लौहार ने सेनेटरी नेपकिन **2011** में बनाना सिखा था और साथ ही गाँव **की 500 महिलाओं** व किशोरियों को सिखा चुकी है | और लोहार समाज में पीरियड माहवारी की वजह से उनके घर वाले लड़कियों को आगे पढ़ने नहीं देते है | मै चाहती हूँ हर समाज कि लड़की आगे अपनी पदाई पूरी करे और जो उनके सपने है उसे पूरा करें | इसलिए मैंने ईको फ्रेंडली नेपकिन बनाकर क्षेत्र की गरीब महिलाओं को सेनेटरी नेपकिन वितरित कर रही है वो नैपकिन साल भर काम आता है | आज जो गरीब महिला आई है उन्हें ईको फ्रेंडली नेपकिन वितरित किया और साथ ही कहा की जिस महिला किशोरी को सेनेटरी नेपकिन बनाना सीखना है वो उसे निःशुल्क ट्रेनिंग देगी |

कार्यक्रम में **डॉ. मंजू बोहरा (B.N. कॉलेज)** ने 5 बताया कि 5 ब्लॉक के 30 गाँव की महिलाओं के स्वास्थ्य पर सर्वे रिपोर्ट PPT के माध्यम से प्रस्तुत किया | जो सर्वे किया है उसमें अधिकतर महिलाए हरी सब्जी नहीं खाती है जिससे उनके शरीर में एनीमिया और आयरन की कमी ज्यादा है और उन महिलाओं की स्थिति सही नहीं है |

कार्यक्रम में पगारिया फाउंडेशन मुंबई की वैदेही पगारिया ने भी महिलाओ को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें सशक्त होने के लिए हमें संस्थान में जुड़ना होगा और साथ ही उन महिलाओं की सहायता करना है जिनके साथ हिंसा होती है उन महिलाओं को भी सशक्त और मजबूत बनाना है ताकि वो अन्याय के खिलाफ आवाज उठा सके |

कार्यक्रम में **जमना चोहान ने** PPT के माध्यम से राजसमन्द महिला मंच व राजसमन्द जन विकास संस्थान की सालभर की जो गतिविधियाँ हुई उसके बारे में सबको अवगत कराया |

कार्यक्रम में **पुष्पा सिंघवी** जो कि राजसमन्द महिला मंच की कार्यकर्ता है और नारी अदालत की सदस्य भी है | उन्होंने महिला दिवस के उपलक्ष में महिलाओं को संगठन में जुड़ने के लिए और उसे मजबूत कैसे करें उस पर चर्चा की और महिला मंच की सदस्य बनने के लिए साल के 100 रूपए रशीद फ़ीस सभी की सहमती से रखा गया | वो शुल्क संगठन को आगे बढाने और महिलाओं को सशक्त करने के लिए होता है |

कार्यक्रम में नारी अदालतों की सदस्यों को **और क्षेत्र में विशिष्ठ एवं प्रेरणादायी करने वाली दो किशोरियों को भी सम्मानित किया गया |**

कर्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव नरेंद्र कुमार , पूर्व नगर परिषद सभा पति आशा पालीवाल , मण्डावर सरपंच श्रीमती प्यारी रावत , जतन संस्थान के कैलाश ब्रजवासी आदि थे | समाज सेवा से कमलेश हिंगड़ , धापू बाई , लक्ष्मण जैन , वैदेही पगारिया ने आयोजन में आर्थिक सहयोग प्रदान किया |

संस्था व् संगठन द्वारा कोविड - 19 में किये गए कार्य

- **मास्क वितरण**
- **खाद्य सामग्री वितरण**
- **करोना जागरूकता अभियान**

मास्क वितरण

COVID - 19 महामारी के चलते हुए लोगो को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और ऐसे वातावरण में संस्था ,संगठन द्वारा दलित ,शोषित ,वंचित परिवारों की मदद के लिए कार्य किया जा रहा है | COVID - 19 महामारी के समय लोगो को निशुल्क मास्क वितरण किये गए | भीम ब्लॉक में महिला मंच की सदस्य कांता देवी द्वारा 300 मास्क पुलिस ,प्रशासन और ग्रामीण लोगो को निशुल्क वितरण किये गए | ऐसे ही केलवा गाँव में राजसमन्द विकास अधिकारी द्वारा मास्क बनाने के लिए कपड़ा दिया गया जिसके 450 मास्क बनाये गए तथा घाटी गाँव की किशोरी बालिका भूमिका रेगर द्वारा 300 मास्क निशुल्क वितरण किये और | और इसके साथ ही महिला मंच की कार्यकर्ता उषा रेगर द्वारा 200 साबुन निशुल्क वितरण किये गए और COVID - 19 महामारी के बचाव के लिए लोगो को जागरूक किया गया | कुल 1050 मास्क निशुल्क वितरण किये गए

महिला मंच की कार्यकर्ताओं ने बांटे मास्क

ब्यूरो/ नवज्योति, राजसमंद। कोविड-19 के बचाव को लेकर चलाए जा रहे जन जागृति अभियान के तहत महिला मंच की कार्यकर्ताओं एवं किशोरियों द्वारा लगातार जिले भर में मास्क वितरण का कार्य किया जा रहा है। ताकि आमजन को घर पर ही सुरक्षित रहने, स्वच्छ पानी और साबुन से बार-बार हाथ धोने एवं लोक डाउन के नियमों को पालना किए जाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। मंच विदेशिका शकुंतला पालेचा ने बताया कि सोमवार को मंच की कार्यकर्ताओं द्वारा भीम उपखंड में मास्क तैयार कर वितरित किए गए। साथ ही कार्यकर्ता प्रत्येक तहसील एवं गांवों में प्रशासन में सहयोग में जुटी हुई है।

मास्क बनाते व् वितरण करते हुए महिला व् किशोरी बालिका महिला मंच सदस्य

सरकार के साथ ऑपरेशन नेगेटिव कार्यक्रम (करोना जागरूकता अभियान

राजसमन्द महिला मंच ,राजसमन्द जन विकास संस्थान व् सरकार के सयुक्ततत्वाधान में ऑपरेशन नेगेटिव कार्यक्रम (करोना जागरूकता अभियान) का आयोजन किया गया | जिसमें करोना के प्रति लोगो को जागरूक किया गया और निशुल्क मास्क वितरण किये गए |

करोना के बढ़ते संक्रमण को कम करना व् रोकने और आमजन को जागरूक करने के लिए यह जागरूकता अभियान किया गया |

महिला मंच संयोजिका व् जिला मुख्य कार्यकारी अधिकारी निमिषा गुप्ता जी ने लोगो को मास्क ,सेनेटाईजर ,सामाजिक दुरी का पालन करने की जानकारी दी |

खादय सामग्री वितरण

संस्था संगठन द्वारा COVID - 19 महामारी में गाँवो में लोगो को राशन सामग्री से सम्बंधित समस्या सामने आई मंच की कार्यकर्ताओ द्वारा प्रशासन के सहयोग से राजसमन्द जिले के राजसमन्द ,खमनोर ,रेलमंगरा ,कुम्भलगढ़ ब्लॉक के गाँवो में 41 परिवारों को राशन सम्बंधित का समाधान खमनोर विकास अधिकारी ,राजसमन्द विकास अधिकारी ,कुम्भलगढ़ एस.डी.एम साहब द्वारा करवाया गया |

. **खाद्य सामग्री वितरण करती हुई महिला मंच कार्यकर्ता**

कोविड - 19 महामारी में मानवता की एक अनूठी पहल

संस्था संगठन कोविड - 19 इस महामारी के ऐसे समय में भी पशु - पक्षियों का भी ध्यान रख कर उनकी जिंदिगी के लिए भी महिला मंच के महिला,किशोरी ,किशोर सदस्यों द्वारा राजसमन्द जिले के **राजसमन्द ,खमनोर , रेलमंगारा ब्लॉक के 11** गांवों में पक्षियों के लिए दाना ,पानी के लिए **40** परिंडे व् चुग्गा पात्र बांधे गए |

महिला व् किशोर ,किशोरी बालिकाएं द्वारा चुग्गा पात्र व् पानी देते हुए

इन पात्रो में पानी और दानों की व्यवस्था की गई है | किशोर /किशोरी और महिलाओं दवारा परिंडे व् चुग्गा पात्र बांधे गए |

क्र.सं	कार्यक्रम	अप्रेल 2020 से मार्च 2021	कुल
1	मास्क वितरण	1050	1050
2	खाद्य सामग्री (राशन वितरण)	71	71
3	परिंडे व् चुग्गा पात्र बांधे	40	40
4	2 माह का फ्री राशन	12	12
5	साबुन वितरण	40	40

नेटवर्ककिंग

संस्थान & संगठन द्वारा जिला ,राज्य एवं राष्ट्रिय स्तर पर गर्ल्स नोट ब्राइड , संवादा , इ दशम , संस्थाओं के साथ एक नेटवर्क स्थापित किया गया |

1. **गर्ल्स नोट ब्राइड तथा यूनिसेफ द्वारा आयोजित किस्सा कहानी (कथा - कहानी) के द्वारा संचार क्षमतावर्धन (सामाजिक ,लैगिक और कोविड - 19 से जुड़े भेदभाव के सन्दर्भ में आयोजित किस्सा कहानी कार्यशाला में जमना द्वारा भाग लिया गया | कार्यशाला ऑन्लाइन की गई थी जो 2 माह तक चली और सप्ताह में दो दिन मंगलवार व् शुक्रवार को सुबह 10:30 से 2: 00 बजे तक का समय था | कार्यशाला का उद्देश्य था की हम कहानियो के माध्यम से कैसे लोगो से बात कर सकते है और उसमें सोसल मिडीयां का कैसे उपयोग कर सकते है |**
2. **संवादा द्वारा आयोजित यूथकोर्स ममता सोनी द्वारा बेगलोर में इस कार्यशाला में भाग लिया गया जिसमें युवाओं के साथ कैसे कार्य कर सकते है और उनके हक़ एवं अधिकारों और उनके मुद्दों पर कैसे युवाओं के साथ कार्य करे और उसके साथ ट्रेनिग मौड्यूल कैसे बनाये उस पर प्रशिक्षण दिया गया |**
3. **इ दशम राज्य स्तर का सोसल मीडियां प्लेटफार्म है जिसमें किशोर और किशोरी बालिकाओं के साथ जो कार्य किया जा रहा है उसको प्रस्तुत किया जा सके और उनको एक प्लेटफोर्म मिल सके और अलग - अलग प्रशिक्षण के माध्यम से बच्चो की क्षमताओं का वर्धन किया जा सके**

राजसमन्द महिला मंच द्वारा किये गए कार्य के आंकड़े

वर्ष 1998 से मार्च 2021 तक

क्र.सं	कार्यक्रम	2019 से 2020	2020 से 2021	कुल
1	संगठन सदस्य	9559	51	9609
2	गाँव बैठक / सहभागी	6008 / 228389	-	6008 / 228389
3	ब्लॉक बैठक / सहभागी	1256 / 21838	-	1256 / 21838
4	महिला सशक्तिकरण दिवस कार्यक्रम	27 / 16000	1 / 250	28 / 16250
C	**स्वास्थ्य शिविर**	**82 / 26140**	**9/301**	**91 / 26441**
D	**ज्ञापन**			
1	शराब बंदी	7	1	8
2	महिला हिंसा	52	1	53
3	सरकारी योजनाओ से सम्बंधित	22	2	24